दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665

अंक 02/88 | जयपुर | 17 अप्रैल /2025 | गुरुवार | मूल्य रु 5 | पृष्ठ: 04

राज्य सरकार पुलिस को और अधिक सक्षम एवं आधुनिक बनाने के लिए निरंतर उठा रही कदम: भजनलाल शर्मा

पुलिस का मूलमंत्र अपराध पर नियंत्रण-समाज में सुरक्षा और विश्वास

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस के जवानों का साहस, सेवा भावना और बलिदान अतुलनीय है। पुलिस की वर्दी सिर्फ एक कपड़ा नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी, एक वचन और जीवन का एक अर्थ है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी सही मायनों में समाज के असली नायक हैं। वे हर दिन, हर मौसम, हर चुनौती के बावजूद निरंतर सेवा में जुटे रहते हैं। हर संकट में सबसे पहले खड़े होकर जान-माल की सुरक्षा करते हैं। शर्मा बुधवार को आरपीए में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर परेड निरीक्षण के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रदेश के बहादुर पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। पुलिसकर्मी अपने जीवन को समाज की सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था के लिए समर्पित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मी समाज की ढाल बनकर हमारी हिफाजत करते हैं। ये कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही समाज के हर वर्ग की सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि अपराध रोकथाम, आपदा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने सहित पुलिस हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटी रहती है। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना भी है।

200 करोड़ रुपये से होगा पुलिस मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का गठन

.मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुलिसकर्मियों के हित में कदम उठा रही है। उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है ताकि कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों के लिए उन्हें अधिक सक्षम बनाया जा सके। इसी दिशा में पुलिस आधुनिकीकरण एवं संबंधित आधारभूत संरचना के लिए 200 करोड़ रुपये का पुलिस मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड गठित किया जाएगा। साथ ही, प्रदेश में कानून-व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 10 हजार पदों पर भर्ती को स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, 5,500 नवीन पदों का सृजन किया गया है तथा इस वर्ष 3,500 नवीन पद सृजन प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि पद्मिनी, कालीबाई व अमृतादेवी महिला पुलिस बटालियनों की स्थापना हेतु पदों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति तथा 500 कालिका पेट्रोलिंग टीम के गठन हेतु प्रथम चरण में एक हजार कांस्टेबल के नवीन पदों के सृजन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। साथ ही, पुलिस विभाग एवं कारागार विभाग में कार्यरत लांगरियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि एवं 250 लांगरी पदों का सृजन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के पुलिस विभाग को सशक्त और आधुनिक बनाने के लिए इसी तरह नवाचार करती रहेगी।

पुलिस और नागरिकों के बीच होना चाहिए नियमित संवाद

शर्मा ने कहा कि पुलिस और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। पुलिस और नागरिकों के बीच नियमित संवाद से आमजन में विश्वास के साथ अपराध पर प्रभावी नियंत्रण होता है। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत गांवों-मोहल्लों में बैठकें आयोजित की जानी चाहिए, जिससे लोगों को पुलिस के कार्यों को समझने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि पुलिस को स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक केंद्रों में जाकर कानून और सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए। इससे युवाओं में पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा। पुलिस को शिकायतों के त्वरित निस्तारण और तकनीक के उपयोग से आपसी विश्वास को मजबूत करना चाहिए।

350 करोड़ रुपये से सरदार पटेल सेंटर फॉर साइबर कंट्रोल एंड वार रूम की होगी स्थापना

शर्मा ने कहा कि पुलिस मोबेलिटी के लिए लगभग 750 मोटरसाइकिल एवं 500 हल्के वाहन उपलब्ध करवाए गए हैं तथा आधुनिक उपकरणों के लिए 27 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र का क्रमोन्नयन एवं विस्तार कर राजस्थान पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण अकादमी के रूप में स्थापित किए जाने के लिए नवीन पदों के सृजन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी दी जा चुकी है। इसी तरह 350 करोड़ रुपये की लागत से पुलिस मुख्यालय के अन्तर्गत सरदार पटेल सेंटर फॉर साइबर कंट्रोल एंड वार रूम की स्थापना की जाएगी। इसी तरह पुलिस को और अधिक प्रभावी एवं कार्यदक्ष बनाने हेतु करीब 60 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इसके बाद उन्होंने परेड ग्राउण्ड में परेड निरीक्षण किया। समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों को पुलिस पदक तथा मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए गए। पुलिस महानिदेशक यू आर साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों से प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण के साथ ही आमजन को राहत मिल रही है। उन्होंने बेहतर कानून व्यवस्था को लेकर बजट में की गई घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने की घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक तक के वर्दी भत्ते को 7 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार रुपये करने तथा पुलिस निरीक्षक तक के अधिकारियों का मैस भत्ता 2,400 रुपये से बढ़ाकर 2,700 रुपये करने की घोषणा की। शर्मा ने कांस्टेबल से पुलिस निरीक्षक तक के पुलिसकर्मियों को एक्सप्रेस श्रेणी की बसों के अतिरिक्त सेमी डीलक्स बसों में भी निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को समय पर पदोन्नति देने के लिए हमारी सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी। हमारी सरकार पुलिसकर्मियों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए कार्य करेगी।

कांग्रेस ही संघ-भाजपा को हरा सकती है: राहुल गांधी

मोदासा (गुजरात)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को गुजरात में अपने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि गुजरात में पार्टी के कार्यकर्ता हतोत्साहित नजर आ रहे हैं, लेकिन केवल उनकी पार्टी ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा को हरा सकती है। एक सप्ताह में गुजरात की अपनी दूसरी यात्रा पर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि कांग्रेस हार नहीं मानेगी। भाजपा को हराने के लिए हम दिन रात एक कर देंगे। जो कार्यकर्ता बूथ पर मजबूत है, हम उसका साथ देंगे। भाजपा के पश्चिमी राज्य पर लगभग 30 वर्षों के शासन को खत्म कर देंगे। उन्होंने गुजरात को (जहां कांग्रेस कभी एक शक्तिशाली राजनीतिक ताकत थी) विपक्षी पार्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य बताया। राहुल गुजरात में संगठन को नया रूप देने के लिए जिला इकाइयों को मजबूत करने की एक पायलट परियोजना शुरू करने के बाद अरवल्ली जिले के मोडासा शहर में बूथ स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। गुजरात में 2027 के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राहुल ने कहा, 'गुजरात कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य है। हम गुजरात में हतोत्साहित दिखते हैं, लेकिन हम भाजपा को राज्य में हरा देंगे। मैं यहां आपको यह बताने के लिए हूं कि यह मुश्किल नहीं है। हम निश्चित रूप से यह कार्य पूरा करेंगे। केवल कांग्रेस पार्टी ही आरएसएस और भाजपा को हरा सकती है।'

जयपुर में ईडी दफ्तर के सामने कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन, गहलोत बोले- देश में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है

जयपुर

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट दाखिल होने से नाराज कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को जयपुर में बड़ा प्रदर्शन किया. ईडी ऑफिस के बाहर इस प्रोटेस्ट की शुरुआत दोपहर करीब 12 बजे हुई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल हुए. कांग्रेस के अग्रिम संगठनों के कार्यकर्ता, विधायक और पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में प्रदर्शन स्थल पर लोग जुटे, जिन्होंने केंद्र सरकार पर एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया. इस दौरान पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा, 'देश में इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है जैसे कोई बहुत बड़ा घोटाला हो गया है. भाजपा बार-बार लोकतंत्र की हत्या करने का काम कर रही है. ये बहुत खतरनाक है. ईडी पहले भी इस मामले की जांच कर चुकी है. सोनिया गांधी और राहुल गांधी को क्लीन चिट भी मिल चुकी है. लेकिन, अब फिर से मामला शुरू कर दिया. ये झूठा मामला है, इसमें कोई दम नहीं है.' राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, 'भाजपा सत्ता में आने के बाद से ही राष्ट्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है. चाहे वह ईडी हो, इनकम टैक्स हो या CBI. मनी लॉन्ड्रिंग नहीं हुई है, एक भी पैसे का लेन-देन नहीं हुआ है. यह एक गैर-लाभकारी ट्रस्ट है. जिस परिवार ने अपनी संपत्ति दान कर दी, आज आप उन्हें कैसे परेशान कर रहे हैं? क्या ईडी ने आज तक किसी भाजपा नेता के खिलाफ कोई कार्रवाई की है.' वहीं, दिल्ली में प्रदर्शन करते हुए राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा, 'पूरा देश जानता है कि ईडी और सीबीआई भारत सरकार के राजनीतिक हथियार हैं. सोनिया गांधी का जीवन सार्वजनिक है, यह उनकी छवि खराब करने का प्रयास है. तथ्यों पर गौर करें तो इस मामले में कोई दम नहीं है. यह स्पष्ट रूप से राजनीति से प्रेरित मामला है जिसे लंबे समय से खींचा जा रहा है. हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और हम इसे कानूनी तरीके से सुलझा लेंगे.' नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की कार्रवाई पर राजस्थान सरकार में मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, 'कांग्रेस का घोटालों का इतिहास रहा है. कोयला घोटाले से लेकर देश में हुए अधिकांश घोटाले कांग्रेस के नाम पर हैं. जांच एजेंसी लंबे समय से नेशनल हेराल्ड मामले की जांच कर रही है. लंबी जांच के बाद, कई तथ्यों और दस्तावेजों पर रिकॉर्ड लेने के बाद अगर ईडी कोर्ट में चालान पेश करती है और कांग्रेस उसका विरोध करती है, तो कांग्रेस घोटाले बचाने में लगी है. उन्हें न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए,

4 दिन राजस्थान के 13 जिलों को लू झुलसाएगी, कुछ हिस्सों में मिलेगी आंधी-बारिश से राहत

जयपुर

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। मंगलवार को बाड़मेर में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज हुआ। दिन में तेज गर्मी के साथ हीटवेव चली। वहीं, उदयपुर और डूंगरपुर में दोपहर बाद मौसम में बदलाव हुआ। शाम को कुछ स्थानों पर बादल छाए। आंधी चलने के बाद हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिन पश्चिमी राजस्थान में गर्मी और तेज होने का अनुमान जताया है। बुधवार को जैसलमेर और बाड़मेर में हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, 11 जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट है। इधर, भारतीय मौसम विभाग, नई दिल्ली ने इस सीजन के मानसून का फोरकास्ट जारी किया है। इस बार राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में मानसून में औसत (सामान्य) से अधिक बारिश होने की संभावना है। राजस्थान के सभी हिस्सों में मानसून की अच्छी बारिश होने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने इस बार हिंद महासागर में इंडियन ओशन डायपोल (द्विध्रुव) की स्थिति न्यूट्रल रहने की संभावना जताई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि राजस्थान में पूर्व के साथ-साथ इस बार पश्चिम में भी अच्छी बारिश होगी। उदयपुर और डूंगरपुर में आज दोपहर में तेज गर्मी के बाद शाम को बादल छाए और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। बारिश से पहले इन जिलों में धूलभरी हवा चली।

महादेव बेटिंग ऐप केस: जयपुर में ड्राई-फ्रूट व्यापारी के घर छापा, ईडी को डॉक्यूमेंट और डिजिटल सबूत मिले

जयपुर

महादेव बेटिंग ऐप मामले में छत्तीसगढ़ से आई ईडी की टीम ने बुधवार को जयपुर में ड्राई फ्रूट व्यापारी के घर पर छापा मारा। सोडाला स्थित एपल रेजीडेंसी में व्यापारी भरत दाधीच के फ्लैट पर ईडी की टीम सर्च कर रही है। टीम के साथ सुरक्षा बल भी तैनात है। दरअसल, आज महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े लोगों के 60 ठिकानों पर सर्च की जा रही है। ये कार्रवाई छत्तीसगढ़, भोपाल (मध्य प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), दिल्ली और राजस्थान में एक साथ चल रही है। सूत्रों के अनुसार, कई बड़े नेताओं, सीनियर ब्यूरोक्रेट्स, पुलिस अधिकारियों, महादेव बुक के मुख्य संचालकों और अन्य व्यक्तियों के ठिकानों पर रेड डाली गई है। ईडी को जयपुर से मनी लॉन्ड्रिंग, क्रिप्टो करेंसी और शैल कंपनियों से जुड़े सबूत मिले थे। इसी आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। जयपुर के कई बड़े व्यापारी भी ईडी के रडार पर हैं, जिनके खाते महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े पाए गए हैं। छापेमारी के दौरान कई डॉक्यूमेंट और डिजिटल सबूत मिले हैं, जिनमें से कुछ में अवैध सट्टा रैकेट में शामिल प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता का पता चलता है। इस छापेमारी अभियान में आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। महादेव बुक पिछले कुछ सालों में भारत में सबसे बड़े ऑनलाइन सट्टेबाज प्लेटफॉर्म में से एक बन गया है। यह ऐप और वेबसाइट के जरिए अवैध रूप से करोड़ों रुपए का लेन-देन करता है और क्रिकेट, फुटबॉल जैसे खेलों पर सट्टा लगाता है। इसका नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है।

वक्फ कानून पर सुप्रीम सुनवाई, कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट को मामले को सुनने के लिए कहा जा सकता है

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने पक्षों से दो बिंदुओं पर विचार करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके सामने दो सवाल हैं, पहला- क्या उसे मामले की सुनवाई करनी चाहिए या इसे हाईकोर्ट को सौंप देना चाहिए और दूसरा- वकील किन बिंदुओं पर बहस करना चाहते हैं।

कपिल सिब्बल की दलील

याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अपनी दलीलें शुरू करते हुए कहा कि संसदीय कानून के जरिए जो करने की कोशिश की जा रही है, वह एक आस्था के

आवश्यक और अभिन्न अंग में हस्तक्षेप करना है। अगर कोई वक्फ स्थापित करना चाहता है तो उसे यह दिखाना होगा कि वह पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहा है। राज्य को यह कैसे तय करना चाहिए कि वह व्यक्ति मुसलमान है या नहीं? व्यक्ति का पर्सनल लॉ लागू होगा। सिब्बल ने दलील दी कि कलेक्टर वह अधिकारी होता है जो यह तय करता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। अगर कोई विवाद है तो वह सरकार का हिस्सा होता है और इस तरह वह अपने मामले में न्यायाधीश होता है। यह अपने आप में असंवैधानिक है। इसमें यह भी कहा गया है कि जब तक अधिकारी ऐसा फैसला नहीं करता, तब तक संपत्ति वक्फ नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि पहले केवल मुसलमान ही वक्फ परिषद और बोर्ड का हिस्सा होते थे, लेकिन संशोधन के बाद अब हिंदू भी इसका हिस्सा हो सकते हैं। यह संसदीय अधिनियम द्वारा मौलिक अधिकारों का सीधा हनन है।

सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि एक उच्च न्यायालय को याचिकाओं से निपटने के लिए कहा जा सकता है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने और फैसला करने में सुप्रीम कोर्ट पर कोई रोक है।

सीजेआई ने साफ किया कि वह कानून पर रोक लगाने के पहलू पर कोई दलील नहीं सुन रहे हैं। वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि वक्फ अधिनियम का पूरे भारत में प्रभाव होगा, याचिकाओं को उच्च न्यायालय में नहीं भेजा जाना चाहिए। उन्होंने अधिनियम के खिलाफ दलील दी

सभी पुराने स्मारक, जामा मस्जिद भी संरक्षित ही रहेंगे- पीठ

कपिल सिब्बल ने जामा मस्जिद का मुद्दा भी उठाया। सीजेआई ने कहा कि जामा मस्जिद समेत सभी प्राचीन स्मारक संरक्षित रहेंगे। उन्होंनें कहा कि ऐसे कितने मामले हैं? इस बारे में कानून आपके पक्ष में है। सभी पुराने स्मारक, जामा मस्जिद भी संरक्षित ही रहेंगे।

वक्फ को पंजीकृत कराएंगे तो ये आपकी मदद करेगा- सीजेआई

इसके बाद सिब्बल ने कहा कि 20 करोड़ लोगों का अधिकार छीना जा रहा है। मान लीजिए कि मेरे पास कोई संपत्ति है। मैं इसे दान करना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि वहां अनाथालय बनाया जाए। इसमें क्या परेशानी है। मुझे रजिस्टर कराना क्यों जरूरी है? इस पर सीजेआई ने कहा कि वक्फ को पंजीकृत कराएंगे तो ये आपकी मदद करेगा। जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि जो अल्लाह का है, वो वक्फ है। कानून में झूठे दावों से बचने के लिए वक्फ डीड का प्रावधान है। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह इतना आसान नहीं है। वक्फ सैकड़ों साल पहले बनाया गया है। अब 300 साल पुरानी संपत्ति की वक्फ डीड मांगी जाएगी तो यहां समस्या है।

मुख्यमंत्री सहायता कोष से राशि स्वीकृत, एडीएम ने प्रदान किया चैक

मरुधर विशेष

कोटपूतली, कोटपूतली-बहरोड़ जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने आदेश जारी कर मुख्यमंत्री सहायता कोष से प्रार्थी विनोद पुत्र सुलतान बलाई को घायल श्रेणी में 20 हजार की राशि एवं सजना देवी के पति स्व. ताराचन्द को करंट लगने से मृत्यु होने के कारण 01 लाख की राशि स्वीकृत की हैं। बुधवार को एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने सहायता राशि का चैक प्रार्थियों को प्रदान किया।

गौवंश के अवैध परिवहन और तस्करी का मामले में लगातार बढ़ता विरोध

जिला कलेक्टर को साधु संतो और गौ सेवको नें दिया ज्ञापन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: गौवंश के अवैध परिवहन और तस्करी का मामले में लगातार बढ़ता विरोध, आज बांसवाड़ा शहर में गौ सेवकों और जनता नें किया विरोध प्रदर्शन, शहर के कुशलबाग मैदान में बड़ी संख्या में जुड़े कार्यकर्ता, मैदान से निकाली विरोध रैली, रैली के रूप में सभी पहुंचे कलेक्ट्री, जिला कलेक्टर को साधु संतो और गौ सेवको नें दिया ज्ञापन, गौवंश की अवैध परिवहन और तस्करी को रोकने का दिया ज्ञापन

जयंती विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

अटल जी को 'गुरुदेव' कहते थे चन्द्रशेखर

वर्ष 1927 में 17 अप्रैल को यानी आज के ही दिन उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक बलिया जिले में स्थित इब्राहिमपट्टी गांव के एक सामान्य परिवार में जन्मे देश के आठवें प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर का कोई आधी शताब्दी का राजनीतिक जीवन कई चढ़ाव-उतारों से भरा रहा। वे कभी राजनीतिक अस्पृश्यता व असहिष्णुता के फेर में नहीं पड़े और 2007 में आठ जुलाई को इस संसार से अजातशत्रु के रूप में विदा हुए। उनकी अजातशत्रुता की एक मिसाल यह भी है कि अलग-अलग और परस्पर विरोधी खेमों में रहने के बावजूद वे अटल बिहारी वाजपेयी को हमेशा 'गुरुदेव' कहकर ही बुलाते रहे। वे 'गुरुदेव' से पहले प्रधानमंत्री बन गये तो भी उनका यह सम्बोधन नहीं बदला। जब भी संसद में अटल भाषण दे रहे होते और विरोधी नेता शोरगुल करते, वे शोरगुल शांत कराने की कोशिश जरूर करते थे। यह और बात है कि अटल के प्रधानमंत्रीकाल में वे उनकी कई नीतियों के मुखर आलोचक भी रहे। एक समय तो वे उनसे यह कहने से भी नहीं चूके थे कि 'गुरुदेव, अगर आप सर्वोच्च पद पर रहते हुए भी देश का काम नहीं कर पा रहे तो आपको हट जाना चाहिए।' इस संयोग की कई हल्कों में आज भी रस लेकर चर्चा की जाती है कि इनमें शिष्य अपने गुरुदेव से पहले प्रधानमंत्री बन गया था, लेकिन सर्वश्रेष्ठ सांसद बनने में वह उनसे पिछड़ गया था। बहरहाल, हम जानते हैं कि अपने कई दशक समाजवादी आंदोलन को देने के बाद चन्द्रशेखर कांग्रेस में जाकर 'युवा तुर्क' तो कहलाये थे, लेकिन उन दिनों की उसकी शीर्षस्थ नेता इंदिरा गांधी से वैचारिक असहमतियों ने उसमें उनकी पारी लम्बी नहीं होने दी थी। 1975 में इंदिरा गांधी ने देश पर इमर्जेंसी थोपी तो विपक्षी नेताओं के साथ उनको भी जेल भेज दिया था। 1977 में वे इंदिरा के विरुद्ध हुए जनता पार्टी के प्रयोग में शामिल होकर उसके अध्यक्ष पद तक पहुंचे। कोई दशक भर बाद जनता दल नामक प्रयोग में 10 नवम्बर, 1990 को बेहद विपरीत परिस्थितियों में वे तब देश के आठवें प्रधानमंत्री बने, जब अयोध्या मामले को लेकर रथयात्रा निकाल रहे वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को बिहार में गिरफ्तार कर लिया गया और उससे खफा भाजपा ने विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार से समर्थन वापस लेकर उसे गिरा दिया। यह सरकार गिर जाने के उपरांत सत्तारूढ़ जनता दल में फूट पड़ गई थी और उसके सांसदों के एक गुट ने चन्द्रशेखर के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए उसने उस कांग्रेस का 'बाहरी समर्थन' लेने से भी परहेज नहीं किया था, जिसके खिलाफ उसने साल भर पहले चुनाव लड़ा था। इसलिए चन्द्रशेखर के शपथग्रहण के दिन से ही देश को पता था कि उनकी सरकार की उम्र बहुत लम्बी नहीं होने वाली और चन्द्रशेखर आठ महीने से कुछ कम ही प्रधानमंत्री की कुर्सी पर रह पाये थे। इन आठ महीनों का इस अर्थ में बड़ा महत्व है कि बतौर प्रधानमंत्री उन्होंने जो भी फैसले लिये, किसी दबाव में आये बिना बहुत दृढ़ होकर लिये। उनसे उन्हें वापस लेने की मांग की जाने लगी तो भी बेलाग-लपेट यही कहा कि 'मैं राजीव गांधी नहीं हूं जो एक दिन में तीन बार फैसला बदलूं।' उन्हें सत्ता मिली तो देश की अर्थव्यवस्था की हालत बेहद खस्ता थी। देश की साख बचाने के लिए 21 से 31 मई के बीच देश का बीस हजार टन सोना स्विट्जरलैंड के यूबीएस बैंक में गिरवी रखना पड़ा था। चन्द्रशेखर ने इस विकट स्थिति का बहुत दृढ़ होकर सामना किया। अपनी आत्मकथा 'जीवन जैसा जिया' में प्रधानमंत्री बनने से पहले के अपने जीवन का जिक्र करते हुए चन्द्रशेखर ने लिखा है कि प्रधानमंत्री तो क्या, संसद सदस्य बनना भी उनके सपने में नहीं था। उन्हें लगता था कि सांसद जब भी आपस में मिलते होंगे, देश और समाज की गंभीर समस्याओं को हल करने पर ही विचार-विमर्श करते होंगे। लेकिन बाद में यह देखकर उन्हें बहुत निराशा हुई कि ऐसा नहीं था और सांसदों को आमतौर पर अपने घरों की चमक-दमक की ही ज्यादा फिक्र रहती थी। राज्यसभा के वर्तमान उपसभापति हरिवंश उनके प्रधानमंत्री काल में उनके अतिरिक्त सूचना सलाहकार हुआ करते थे। उन्होंने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर पुस्तक लिखी है। हरिवंश के अनुसार चंद्रशेखर जीवनभर पूरी तरह फियरलेस थे और अपनी बात को लेकर सत्ता के शिखर पर बैठे लोगों से टकराने में अपनी दोस्ती तक को दांव पर लगा देते थे।

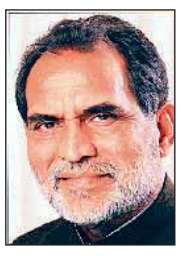

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

स्वास्थ्य

प्रोफेसर अश्वनी महाजन

कम तेल खाना सेहत के लिए अच्छा

आज भारत में बड़ी संख्या में लोग वज़न कम होने से कम, बल्कि मोटापे की समस्या से ज़्यादा पीड़ित हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से खाद्य तेलों का इस्तेमाल कम से कम करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि साल 2050 तक भारत में 44 करोड़ लोग मोटापे की समस्या से पीड़ित होंगे, जो कई बीमारियों की जड़ है। यदि हमारे खाद्य तेल की खपत कम हो जाती है, तो वर्ष 2030 तक देश में मोटापे से ग्रस्त लोगों की संख्या बढ़ने की चिंता का भी कुछ हद तक समाधान हो जाएगा। इससे बीमारियां कम होंगी, बीमारियों पर होने वाला खर्च बचेगा और साथ ही लोगों की कार्यक्षमता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

भारत के बारे में एक आम धारणा यह है कि भारत भयंकर भूख से पीड़ित देश है। अगर हम वेल्टहंगर हिल्फ़ की रिपोर्ट पर यकीन करें तो आज भी भारत 127 देशों की सूची में भूख के मामले में 105वें स्थान पर है। लेकिन सच यह है कि आज भारत में बड़ी संख्या में लोग वज़न कम होने से कम, बल्कि मोटापे की समस्या से ज़्यादा पीड़ित हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से खाद्य तेलों का इस्तेमाल कम से कम करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि साल 2050 तक भारत में 44 करोड़ लोग मोटापे की समस्या से पीड़ित होंगे, जो कई बीमारियों की जड़ है।

गौरतलब है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि टाइप-2 डायबिटीज, हृदय रोग, कैंसर और स्ट्रोक समेत कई बीमारियां मुख्य रूप से मोटापे की वजह से होती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 और 2020-21 के अनुसार, इन 5 वर्षों में मोटापे से पीड़ित महिलाओं की संख्या 20.6 प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई, जबकि पुरुषों में यह 18.9 प्रतिशत से बढ़कर 22.9 प्रतिशत हो गई। यानी हमारी लगभग एक-चौथाई आबादी मोटापे से पीड़ित है। मोटापे की समस्या आम तौर पर जीवनशैली से जुड़ी होती है। इसके कई कारण हैं, जिनमें शारीरिक श्रम की कमी, वसा (खाद्य तेल), चीनी और नमक का अधिक सेवन शामिल है। अगर हम खाद्य तेलों के उपयोग की बात करें तो हम देखते हैं कि खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति खपत, जो 1950 से 1960 के दशक में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष केवल 2.9 किलोग्राम थी, अब उद्योग रिपोर्ट के अनुसार बढ़कर 19.4 किलोग्राम प्रति व्यक्ति वार्षिक हो गई है। गौरतलब है कि जनसंख्या 1951 में 35.4 करोड़ से बढ़कर 2023 तक 143.8 करोड़ हो गई और इस अवधि के दौरान खाद्य तेलों की घरेलू उपलब्धता 13.8 लाख टन से बढ़कर 114 लाख मीट्रिक टन हो गई। लेकिन इसी अवधि के दौरान, 1951 में खाद्य तेलों के नगण्य आयात की तुलना में, 2022-23 तक यह 164.7 लाख टन तक पहुंच गया।

घरेलू उत्पादन में आयात को जोड़कर, खाद्य तेलों की कुल उपलब्धता 2022-23 तक 278.7 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई। यह ध्यान देने योग्य है कि यदि खाद्य तेलों की खपत आईसीएमआर द्वारा अनुशंसित सीमा के भीतर हो तो भले ही घरेलू उत्पादन मौजूदा स्तर पर बना रहे, भारत को खाद्य तेलों के आयात की आवश्यकता केवल 56.64 लाख मीट्रिक टन होगी। देश को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने तथा आयात पर बोझ कम करने के लिए भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 2024 में खाद्य तेल मिशन शुरू किया गया, जिसके अनुसार 10103 रुपये का व्यय किया जाएगा तथा प्राथमिक तिलहनों का उत्पादन वर्ष 2022-23 में 390 लाख टन से बढ़ाकर अगले 7 वर्षों में 697 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है। कहा जा सकता है कि इससे आयात पर निर्भरता कम होगी। यदि प्रधानमंत्री की अपील भी कारगर रही तो आयात और भी कम हो जाएगा। वर्तमान में भारत में उत्पादित खाद्य तेलों का 67.4 प्रतिशत विभिन्न प्राथमिक तिलहनों से, 5.1 प्रतिशत नारियल से, 2.2 प्रतिशत ताड़ से, 11.0 प्रतिशत कपास के बीजों से, 9.8 प्रतिशत चावल की भूसी से, 3.1 प्रतिशत तिलहनों के सॉल्वेंट निष्कर्षण से तथा 1.4 प्रतिशत वनों एवं वृक्षों

से प्राप्त होता है। देश में विभिन्न प्रकार के तिलहनों का उत्पादन पारंपरिक तरीके से किया जाता है। भारत के पारंपरिक खाद्य तेल काफी हद तक स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। लेकिन विदेशों पर हमारी निर्भरता के कारण देश में बड़ी मात्रा में ऐसे तेल आयात और उपयोग होने लगे, जिन्हें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। यह भी माना जाता है कि जीएम खाद्य तेलों का भी अवैध रूप से बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है। आज जब भारत में खाद्य तेलों की कुल खपत का 57 फीसदी आयात से पूरा होता है, जिसमें से 59 फीसदी पाम ऑयल से आता है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, सोयाबीन तेल, पाम ऑयल का भी आयात किया जाता है। भारत के अपने उत्पादित तेलों में सरसों तेल की हिस्सेदारी 33 फीसदी, मूंगफली तेल की 25.4 फीसदी और सोयाबीन की 19 फीसदी है। सरसों तेल का भारतीय खानपान में काफी महत्व है और यह सबसे ज्यादा लोकप्रिय भी है। लेकिन खाद्य तेलों के अपर्याप्त उत्पादन और प्रति व्यक्ति खपत में लगातार वृद्धि तथा बढ़ती जनसंख्या के कारण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाम ऑयल जैसे तेल भी बड़ी मात्रा में भारत में प्रवेश कर चुके हैं। भारत में बड़ी मात्रा में आयात किया जाने वाला पाम ऑयल, जो अब हमारी खाद्य श्रृंखला का एक प्रमुख हिस्सा बन चुका है, वास्तव में स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। इसमें संतृप्त वसा की उच्च मात्रा के कारण हानिकारक एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की संभावना है, जिससे हृदय रोग, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन सस्ता होने के कारण इसका आयात लगातार बढ़ रहा है।

यह भी माना जाता है कि भारत में सरसों के तेल में ब्लेंडिंग के नाम पर बड़ी मात्रा में पाम ऑयल मिलाकर बेचा जाता है। इसके अलावा जीएम तेलों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव की चिंता भी महत्वपूर्ण है। यह अनुभव किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी लोकप्रियता के कारण लोगों को जो भी सलाह या अपील करते हैं, उसका लोगों पर निश्चित रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। चाहे खुले में शौच से जुड़ी अपील हो, या स्वच्छता की बात हो, या कोविड के दौरान टीका लगवाने की सलाह हो, या गैस सब्सिडी छोड़ने की बात हो, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां लोगों ने प्रधानमंत्री की बातों को बहुत गंभीरता से लिया और देश और समाज को इससे बहुत लाभ हुआ। इसी तरह प्रधानमंत्री द्वारा लोगों को अपने भोजन में खाद्य तेलों की खपत 10 प्रतिशत कम करने की दी गई सलाह वास्तव में देश के लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। वर्ष 2030 में 151 करोड़ की अपेक्षित आबादी के साथ, यदि देश में खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत 10 प्रतिशत कम हो जाती है; तो इसका कुल प्रभाव यह होगा कि देश में खाद्य तेलों का आयात वर्तमान 164.7 लाख टन से घटकर मात्र 60.7 लाख टन रह जाएगा, यानी आयात में 63 प्रतिशत की कमी आएगी। देश से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन भी आनुपातिक रूप से कम हो जाएगा। यदि हमारे खाद्य तेल की खपत कम हो जाती है, तो वर्ष 2030 तक देश में मोटापे से ग्रस्त लोगों की संख्या बढ़ने की चिंता का भी कुछ हद तक समाधान हो जाएगा। इससे बीमारियां कम होंगी, बीमारियों पर होने वाला खर्च बचेगा और साथ ही लोगों की कार्यक्षमता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इतना ही नहीं, देश के किसान, जो सस्ते पाम ऑयल के आयात के कारण फिलहाल तिलहनों का उचित मूल्य नहीं पा रहे हैं, उन्हें भी अपने तिलहनों पर बेहतर मूल्य मिलने लगेंगे, जिससे देश में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री की इस सलाह का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की तत्काल आवश्यकता है, ताकि लोगों के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था की सेहत दोनों में सुधार हो सके।

वैयक्तिक अहंकार से प्रगति रुक जाती है

संकलित

दर्शन

निरन्तर विकसित होते रहना यह जीवन धर्म है। प्रगति जीवन के अस्तित्व की सूचक है। जहां जीवन है वहां प्रगति है, विकास है। जड़ता में जीवन कहां ? मानव ही नहीं पशु पक्षियों में भी विकास की प्रक्रिया गतिमान रहती है। मानव की विकास प्रक्रिया में एक विशेषता है कि वह अपने विकास को सम्यक दिशा दे सकता है। अक्सर प्रत्येक व्यक्ति अपना श्रेष्ठ विकास ही चाहता है किन्तु फिर भी वह उसे पाने में असफल रहता है तो उसका सबसे बड़ा कारण होता है अहंकार। अहंकार व्यक्ति को सही दिशा में बढ़ने नहीं देता। मानव उस दिशा में दो कदम बढ़ा भी देता है तो उसका अहंकार आकर खड़ा हो जाता है। और वो आगे बढ़े हुए कदम वापस पीछे ले जाता है । अर्हम् को प्राप्त करने के लिये अहं का त्याग करना होगा। अर्हम परमात्मा का वाचक शब्द है। हम इसके उपासक हैं किन्तु अहम का त्याग किये बिना अर्हम् की आराधना कैसे होगी ? आज अधिकांश व्यक्ति बहुत अधिक महत्वाकांक्षी हो गये हैं उन्हें अपनी पूछ और इज्जत चाहिये किन्तु वे औरों को इज्जत नहीं देना चाहते। यह अहंकार ही हमारी सारी विकास योजनाओं को असफल किये जा रहा है। हम ऊंचा लक्ष्य रख कर आगे बढ़ें, यह बुरा नहीं किन्तु अहंकार को छोड़े बिना उस लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती।

प्रार्थना के बाद भी भगवान नहीं सुन रहे?

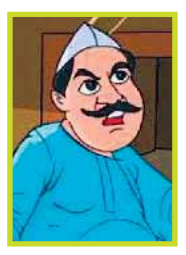

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ के घर के बाहर एक साधू महाराज खड़े होकर प्रार्थना कर रहे थे और बदले में खाने को रोटी मांग रहे थे। सेठानी काफी देर से उसको कह रही थी कि आ रही हूँ। रोटी हाथ में थी पर फिर भी कह रही थी कि रुको आ रही हूँ। साधू ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे और रोटी मांग रहे थे । सेठ ये सब देख रहा था पर समझ नहीं पा रहा था, आखिर सेठानी से बोला- रोटी हाथ में लेकर खड़ी हो, वो बाहर मांग रहे हैं, उन्हें कह रही हो आ रही हूँ तो उन्हें रोटी क्यों नहीं दे रही हो? सेठानी बोली- हाँ रोटी दूँगी, पर क्या है ना कि मुझे उनकी प्रार्थना बहुत अच्छी लग रही है, अगर उनको रोटी दे दूँगी तो वो आगे चले जायेंगे। मुझे उसकी प्रार्थना और सुननी है। यदि प्रार्थना के बाद भी भगवान आपकी नहीं सुन रहे हैं तो समझना कि उस सेठानी की तरह प्रभु को आपकी प्रार्थना प्यारी लग रही है, इसलिए इंतजार करो और प्रार्थना करते रहो। जीवन में कैसा भी दुःख और कष्ट आए पर प्रार्थना मत छोड़िए। क्या कष्ट आता है तो आप भोजन करना छोड़ देते हैं? क्या बीमारी आती है तो आप सांस लेना छोड़ देते हैं? नहीं ना? फिर जरा सी तकलीफ आने पर आप प्रार्थना करना क्यों छोड़ देते हो? कभी भी दो चीजें मत छोड़ियें। भोजन छोड़ दोगे तो जिंदा नहीं रहोगे और प्रार्थना छोड़ दोगे तो कहीं के नहीं रहोगे। सही मायने में जिंदगी में प्रार्थना और भोजन दोनों ही आवश्यक हैं।

पंजर भोकवा मेला

पटना में बुधवार को पंजर भोकवा मेले के तहत निकाले गए धार्मिक जुलूस में भाग लेते लोग।

आज की पाती

आठवें वेतन आयोग के गठन में विलंब क्यों?

जनवरी 2025 में जब केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की, तो देश भर के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। यह घोषणा उनके लिए किसी उत्सव से कम नहीं थी, क्योंकि वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आय को बढ़ाने का वादा करता है, बल्कि उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने और महंगाई के दबाव को कम करने का भी एक अवसर प्रदान करता है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, यह उत्साह धीरे-धीरे निराशा और बेचैनी में बदलने लगा। अप्रैल माह भी आधा बीत गया, मगर अभी तक न तो वेतन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की गई है, न ही इसका कोई अध्यक्ष घोषित किया गया है। - *सुनील सक्सेना, भिलाई*

ट्रेंड

दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान

राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ सार्थक बातचीत हुई। फिनलैंड यूरोपीय संघ का एक महत्वपूर्ण साझेदार देश है। हम अपने संबंधों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान किया।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

संविधान से चलेगा देश

कुछ लोग कह रहे हैं कि उनके लिए 'संविधान' से बढ़कर 'शरीयत' है, मैं 'उनसे' कहना चाहता हूं- भारत तो बाबा साहब के द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा, जहां शरीयत का कानून लागू होता है, उनको वहां जाना चाहिए...

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

मुनियों पर हमला निंदनीय

मप्र के नीमच में मंदिर में विश्राम कर रहे जैन मुनियों पर हिंसक हमला घोर निंदनीय है। इस मामले की गहरी जाँच हो न कि दिखावटी कार्रवाई और इस दुर्भाग्यपूर्ण कुकृत्य के पीछे की असली मंशा जगजाहिर हो कि सम्मानीय मुनियों के ऊपर ये घातक हमला क्यों हुआ।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

महिला श्रम बल

हमारी महिला श्रम बल भागीदारी दर में सुधार न केवल लैंगिक समानता के दृष्टिकोण से, बल्कि आर्थिक विकास और सतत विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है।

-किरण मजूमदार, उद्यमी

करंट अफेयर

मालदीव ने गाजा युद्ध के कारण लगाया प्रतिबंध

मालदीव ने गाजा में युद्ध के कारण इजराइली पासपोर्ट धारकों को देश में प्रवेश से रोकने के लिए अपने आव्रजन कानून में बदलाव किया है। राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान के अनुसार, संशोधन को सोमवार को संसद द्वारा पारित किया गया और मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इसे मंजूरी दी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह कानून दोहरी नागरिकता वाले उन लोगों पर लागू होगा या नहीं जिनके पास इजराइल और किसी अन्य देश का पासपोर्ट है। मंत्रिमंडल ने आव्रजन कानून में बदलाव का निर्णय लगभग एक वर्ष पहले लिया था, लेकिन सरकार ने इस सप्ताह इसे औपचारिक रूप दिया। बयान में कहा गया, 'यह बदलाव फलस्तीनी लोगों के खिलाफ इजराइल द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और नरसंहार कृत्यों के जवाब में सरकार के दृढ़ रुख को दर्शाता है।' मालदीव मुख्य रूप से सुन्नी बहुल मुस्लिम राष्ट्र है जहां अन्य धर्मों का प्रचार प्रसार और पालन करना कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। आव्रजन के उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में इजराइली पासपोर्ट वाले 59 लोग मालदीव पहुंचे।

ऑफ बीट

रात में पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं

पसीना आना शरीर की शीतलन प्रणाली का एक सामान्य हिस्सा है, जो गर्मी छोड़ने और शरीर के इष्टतम तापमान को बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन नियमित रूप से रात में जागना, अत्यधिक पसीने से भीगना सही नहीं है। मस्तिष्क में स्थित हाइपोथैलेमस, अंतःस्रावी तंत्र का हिस्सा है और शरीर के लिए तापमान नियंत्रण केंद्र है। इसमें तापमान सेंसर होते हैं जो केंद्रीय रूप से (अंगों में) और परिधीय रूप से त्वचा में स्थित तंत्रिका कोशिकाओं (थर्मोरिसेप्टर्स) से जानकारी प्राप्त करते हैं। थर्मोरिसेप्टर्स शरीर के तापमान में बदलाव का पता लगाते हैं, हाइपोथैलेमस को वापस संकेत भेजते हैं। ये संकेत या तो शरीर को ठंडा करने के लिए पसीने को सक्रिय करेंगे या शरीर को गर्म करने के लिए कंपकंपी को सक्रिय करेंगे। उम्र या लिंग कोई भी हो, किसी को भी रात में पसीना आने का अनुभव हो सकता है। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं को रात में पसीना अधिक आता है, इसका मुख्य कारण रजोनिवृत्ति और संबंधित बदलते हार्मोन स्तर हैं। ऐसा माना जाता है कि एस्ट्रोजन के स्तर में बदलाव से नॉरपेनेफ्रिन और सेरोटोनिन के स्तर पर प्रभाव पड़ता है, ये दो न्यूरोट्रांसमीटर हैं, जो हाइपोथैलेमस में तापमान विनियमन को प्रभावित करते हैं।

आम रास्ते से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही, प्रशासन की सख्ती

ग्राम पनियाला में चला पीला पंजा, विभिन्न जगह हटाये अतिक्रमण

मरुधर विशेष

कोटपूतली, निकटवर्ती ग्राम पनियाला में बुधवार को प्रशासन द्वारा आम रास्ते पर किये गये अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। प्रशासन व नगर परिषद की टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही को अंजाम देते हुये आम रास्ते से अवैध निर्माण व अतिक्रमण हटवाया। प्रशासन की इस सख्त कार्यवाही से ग्रामीणों में संतोष देखा गया। ग्रामीणों ने आम रास्ते को पुनः खुलवाने के लिये प्रशासन का आभार जताया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और इस तरह की कार्यवाहियां आगे भी जारी रहेंगी। इस दौरान तहसी लदार रामधन गुर्जर, नगर परिषद एईएन मुकेश सैनी, जेईएन भादर सिंह यादव, वरिष्ठ प्रारूपकार मोहनलाल गुर्जर, पटवारी व पुलिस जाप्ता भी मौके पर मौजूद रहा।

मुंडावर विधायक ललित यादव ने नीमराना पंचायत समिति सभागार में की जनसुनवाई

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना पंचायत समिति सभागार में बुधवार को मुंडावर विधायक ललित यादव द्वारा जनसुनवाई की गई।विधायक ललित यादव ने मौके पर मौजूद उपखण्ड स्तरीय सभी अधिकारियों को तुरंत समाधान के लिए निर्देशित कर समस्याओं का निस्तारण कराया गया और बाकी समस्या के लिए अधिकारियों द्वारा आश्वस्त किया गया कि जल्दी से जल्दी समाधान करने के लिए आश्वस्त किया। जनसुनवाई के दौरान कुछ संस्था ब्लैक लिस्ट हो जाने के कारण जे जे एम की योजनाएं बंद पड़ी हैं इस प्रकरण को विधायक के द्वारा विधानसभा में भी कहा था कि विभाग और ठेकदारों की गलती की सजा जनता क्यों भुगते, सरकार द्वारा विभाग को निर्देशित कर समाधान करना होगा।

इस दौरान नाघोडी ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया जलदाय विभाग की और विद्युत विभाग की विद्युत केबल पेड़ में से चिंगारी उत्पन्न होती है।

जोनायचा खुर्द ग्रामवासियों द्वारा विद्युत लाइन लम्बी होना बार बार फॉल्ट होने का कारण बताया, नगर पालिका कार्यालय के सामने सड़क के किनारे गहरा गड्ढा हादसे का कारण बताया गूगलकोटा ग्रामीणों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग तक सड़क की मरम्मत के लिए ज्ञापन दिया। माधोसिंहपुरा मे घरों पर से जा रही 33 केवी लाइन जानलेवा होने की आशंका जताई, शिवपुरी की ढाणी में से घरों पर से जा रही 11केवी लाइन की शिकायत दी नीमराना के नाथ समुदाय के अंतिम संस्कार के लिए शमशान घाट भूमि आवंटित करने की शिकायत दर्ज की गई। फौलादपुर गांव से विद्युत टंकी को 10 दिन से आंधी में गिरने के पश्चात अब तक नहीं लगाने का आरोप विद्युत विभाग पर फरियादी द्वारा लगाया गया। नीमराना में नगर पालिका में आवारा कुत्तों द्वारा पालतू पशु को नुकसान पहुंचाने की शिकायत मिला। न पा मोहलडिया ई पी आई पी गेट के पास 2 साल से लिकेज लाइन को सही नहीं करने की शिकायत की। कोलिला गांव में पी एच डी की तैयार 4

बोरिंग को चालू नहीं करने की शिकायत ग्रामवासियों द्वारा दी गई। कुंदनसिंहपुरा जेजेएम बोरिंग विद्युत कनेक्शन मिलने के बाद भी विभाग चालू नहीं कर रहा। चौबारा में जल सप्लाई बोरिंग को 24 घंटे चालू करने की मांग रखी गई प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत रामचंद्रपुरा के अभय सिंह ने उपखंड विकास अधिकारी पर आरोप लगाते हुए कहा कि तीसरी किस्त नहीं डाल रहा। न पा नीमराना के कर्मचारियों को 3 महीने से वेतन नहीं मिल रहा। हीसला मोहल्ले के मंदिर पर अतिक्रमण की शिकायत मिली। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी महेंद्र यादव ,कार्यवाहक उपखण्डविकास अधिकारी,विद्युत विभाग सहायक अभियंता गजेंद्र सिंह यादव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सहायक अभियंता रामवीर, सार्वजानिक निर्माण विभाग सहायक अभियंता महेंद्र यादव, क्षेत्रीय अधिकारी राजकुमार, जिला पार्षद भीमराज यादव, उप चेयरमैन जसवंत यादव,सरपंच संघ प्रदेश उपाध्यक्ष उमाशंकर, ब्लॉक अध्यक्ष संजय चौहान,गुगलकोटा सरपंच श्यामसुंदर यादव, जोनायचा खुर्द सरपंच अजीत सिंह, एम पी इस संजय यादव, एम पी इस ऋषि यादव, युवा नेता चौधरी संदीप ओला,पी डब्लू डी रविन्द्र यादव, चीनू चौधरी, अजय चौधरी, एडवोकेट अजय यादव,यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अनूप यादव, विनोद शर्मा, धाकड़ यादव,वेदप्रकाश सिंह सैनी, अशोक मुद्गल,केशव प्रजापत, कर्मपाल चौहान, भरत सैनी, छन्नू चौहान, भवानी योगी, हरमेश जांगिड़, शेरसिंह जांगिड़, जगदीश जांगिड़, सचिन यादव, नसीब अली खान, देवेंद्र यादव , अजय यादव , जगदीश जांगिड़, युवा नेता मनोज, बिरसिंह इटकान, गिर्राज सामरिया, राधे बड़सीवाल, ताराचंद नेताजी, नवल ठेकेदार, गजेंद्र सिंह एवं समस्त क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

जैतपुर के ग्रामीणों ने नवगठित ग्राम पंचायत बीझपुर में शामिल करने को लेकर जताई आपत्ति उपखंड अधिकारी को दिया ज्ञापन

सारे मापदंड के अनुसार जैतपुर को ग्राम पंचायत बनवाने की मांग

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) जैतपुर गांव के सैकड़ों ग्रामीणों के द्वारा बुधवार को उपखंड कार्यालय पहुंचकर नवगठित ग्राम पंचायत बीझपुर को हटाकर जैतपुर को ग्राम पंचायत बनवाने को लेकर उपखंड अधिकारी महेंद्र यादव को ज्ञापन दिया। नीमराना पूर्व प्रधान रहे एवं जैतपुर निवासी ताराचंद यादव ने बताया कि हमारा गांव पहले हुड़िया कलां ग्राम पंचायत में आता था लेकिन अब पुनर्गठन के बाद नवगठित ग्राम पंचायत बीझपुर बनाई गई है जिसमें हमारा गांव जोड़ा गया है जबकि हमारे गांव में ग्राम पंचायत होने की सभी सुविधा उपलब्ध है। जनसंख्या के आधार पर भी जैतपुर से छोटा बीझपुर गांव है। जैतपुर गांव में राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय, 33 केवी सबग्रेड पावर हाउस, विशाल खेल स्टेडियम, पशु चिकित्सा कार्यालय,सहकारी समिति कार्यालय, गौचर भूमि व सरकारी भूमि पूर्ण रूप से रोड से लगती हुई है। दो प्राचीन मंदिर दयाल दास मंदिर एवं प्राचीन श्री श्याम मंदिर प्रसिद्ध है तथा दो आंगनबाड़ी केंद्र संचालित है जबकि बीझपुर में कोई सुविधा नहीं है। जनसंख्या में भी हमारे से छोटा है।इसलिए ग्राम पंचायत जैतपुर में बनाई जाए अगर जैतपुर को ग्राम पंचायत मुख्यालय नहीं बनाया जाता है तो आगामी चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा। इस अवसर पर हुड़िया जैतपुर धाम के महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज ,नीमराना पूर्व प्रधान रहे ताराचंद यादव, रवि कुमार, नवीन कुमार,बिजेंद्र, पवन कुमार, ओम प्रकाश ,मदनलाल, विनोद ,बालकिशन, कंवर सिंह, सुरेंद्र, महिपाल, राजपाल ,ताराचंद सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

76 वाँ राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस समारोह

उत्कृष्ट पुलिस सेवा के लिये पुलिसकर्मियों का किया सम्मान, एसपी ने ली परेड की सलामी

जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता विधार्थियों को किया सम्मानित, वृक्षारोपण का हुआ आयोजन

मरुधर विशेष

कोटपूतली, जिला रिर्जव पुलिस लाईन में 76 वाँ राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस समारोह का आयोजन बुधवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यत ने परेड की सलामी ली। एसपी ने पुलिस महानिदेशक का संदेश पढकर् सुनाया। इस अवसर पर उत्कृष्ट पुलिस सेवा के लिये पुलिसकर्मियों हैड कानि. यज्ञवीर व चालक अनिल कुमार सर्वोतम सेवा चिन्ह 2024, कानि. मायाराम उत्तम सेवा चिन्ह 2023, कानि. भींवाराम, कानि. महेश, कानि. राकेश, महिला कानि. सुमन उत्तम सेवा चिन्ह 2024 से सम्मानित किया गया। वहीं सेवानिवृत अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर रिर्जव पुलिस लाईन परिसर में साफ-सफाई की गई। वहीं एसपी राजन दुष्यत, एएसपी वैभव शर्मा द्वारा वृक्षारोपण किया गया। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में जिला पुलिस एवं शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रुप से एक विशेष जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर आदित्य शर्मा, दूसरे स्थान पर रिंकी सोनी, तीसरे स्थान पर आरती सैनी रही। जिनको नकद पुरूस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं पुलिसकर्मियों के बच्चे जिन्होंने खेलकूद, शिक्षा व अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन किया। जिनमें भावेश बुरडक, आयुष भारद्वाज, हिमांशु गुर्जर, अंशु, पलक, अनमोल को एसपी राजन दुष्यत द्वारा प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कोटपूतली एएसपी वैभव शर्मा, नीमराना

एएसपी शालनी राज, कोटपूतली डीएसपी राजेन्द्र बुरडक, बानसूर डीएसपी दशरथ सिंह, नीमराना डीएसपी सचिन शर्मा, विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत, बहरोड़ डीएसपी कृतिका यादव व जिले के समस्त थानाधिकारी, अधिकारी, कर्मचारी, सीएलजी सदस्य, पुलिस मित्र, सुरक्षा सखी, शांति समिति के सदस्य, सेवानिवृत अधिकारी-कर्मचारी व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

76 वाँ राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस समारोह

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्त एकत्रित

एसपी राजन दुष्यंत, एएसपी वैभव शर्मा समेत अन्य ने किया रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन

पुलिसकर्मियों समेत आमजन द्वारा बढ़-चढकर् किया गया रक्तदान

मरुधर विशेष

कोटपूतली, 76 वें राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को कस्बा स्थित आर्शीवाद अस्पताल के ब्लड बैंक में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। जहाँ रक्तदाताओं ने बढ़-चढकर् रक्तदान किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों समेत आमजन द्वारा कुल 71 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। एसपी राजन दुष्यंत ने भी शिविर में भाग लेते हुये रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर उन्होंने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ती पत्र भी भेंट किये। पुलिसकर्मियों की सामाजिक समरसता से जुड़ी हुई पहल का आमजन ने स्वागत किया। इस मौके पर एसपी दुष्यंत समेत अन्य पुलिसकर्मियों व अधिकारियों का अस्पताल के डॉ. सुनील स्वामी, प्रबंध निदेशक लीलाराम यादव, एड. शेरसिंह जाट व प्रबंधक राजेन्द्र कसाना ने गुलदस्ता देकर स्वागत अभिनंदन किया। वहीं स्वच्छता सेवा दल की ओर से प्रवीण बंसल व दिनेश यादव ने पुलिस अधिकारियों का सम्मान किया। शिविर में बड़ी संख्या में युवा रक्तदाताओं को लेकर पहुँचे पूर्व पार्षद व समाजसेवी तारा पूतली के सहयोग की एसपी दुष्यंत ने सराहना की। सभी अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन भी किया। इस दौरान कोटपूतली एएसपी वैभव शर्मा, नीमराना एएसपी शालनी राज, कोटपूतली डीएसपी राजेन्द्र बुरडक, बानसूर डीएसपी दशरथ सिंह, नीमराना डीएसपी सचिन शर्मा, विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत, बहरोड़ डीएसपी कृतिका यादव व कोटपूतली एसएचओ राजेश शर्मा, महिला थाना एसएचओ प्रदीप यादव, सरूण्ड एसएचओ बाबूलाल मीणा समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

हीमोफीलियाः समय पर पहचान और इलाज से मिल सकती है राहत - वर्ल्ड हीमोफीलिया डे आज

मरुधर विशेष

जयपुर। हीमोफीलिया एक अनुवांशिक रक्त विकार है, जिसमें शरीर के किसी भाग में चोट लगने पर रक्त बहना रुकता नहीं है। इस रोग में रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया बाधित हो जाती है, जिससे सामान्य से अधिक खून बहता है। यदि समय रहते इलाज न हो, तो यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। लेकिन अब चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के चलते हीमोफीलिया का इलाज सम्भव है–बस जरूरत है समय पर पहचान और सतर्कता की। अकेले राजस्थान में हीमोफीलिया के 1.30 लाख से अधिक मरीज हैं।

क्या है हीमोफीलिया

भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के सीनियर हेमेटॉलजिस्ट डॉ. उपेंद्र शर्मा ने बताया कि हीमोफीलिया एक अनुवांशिक बीमारी है जो आमतौर पर पीढ़ियों में चलती है। हमारे शरीर में खून के थक्के जमाने वाले कई प्रकार के 'क्लॉटिंग फैक्टर्स' होते हैं। जब इनमें से 'फैक्टर 8' की कमी हो जाती है, तो हीमोफीलिया ए होता है–जो सबसे अधिक सामान्य है। वहीं 'फैक्टर 9' की कमी से हीमोफीलिया बी होता है। दोनों ही स्थितियों में रक्तस्राव अधिक समय तक चलता है और कभी-कभी मामूली चोट भी बड़ी समस्या बन जाती है।

क्लॉटिंग फैक्टर थेरेपी से इलाज संभव

डॉ. उपेन्द्र ने बताया कि हीमोफीलिया के मरीजों के लिए राहत की बात यह है कि अब क्लॉटिंग फैक्टर थैरेपी के जरिए इसका इलाज सम्भव है। यदि समय पर मरीज को ये फैक्टर दिए जाएं, तो अत्यधिक रक्त बहाव की सम्भावना काफी हद तक कम की जा सकती है। इससे न सिर्फ मरीज की जान बचाई जा सकती है, बल्कि उसकी दिनचर्या भी सामान्य बनी रह सकती है।

नई दवाओं से इलाज हुआ बेहतर -

इसके इलाज में मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज की दवाएं एमिसिजुमैब भी आ गई हैं जो इंजेक्शन से त्वचा के अंदर महीने में एक बार दी जाती है। इससे हीमोफीलिया ए, जिन्हें इन्हीबिटर है या नहीं, उनमें ब्लीडिंग रोकने में काम आती है। इसके अलावा हीमोफीलिया ए और बी से जूझ रहे मरीजों के लिए एक राहतभरी खबर आई है। फिटुसिरान नामक नई दवा, जो आरएनए इंटरफेरेंस तकनीक पर आधारित है। यह दवा यकृत में बनने वाले एंटीथ्रॉम्बिन नामक प्राकृतिक रक्त-पात रोकने वाले प्रोटीन को कम करती है। जब एंटीथ्रॉम्बिन घटता है, तो थ्रॉम्बिन नामक तत्व का निर्माण बढ़ता है, जिससे रक्त का थक्का बनने की प्रक्रिया सुधरती है। इसका सीधा लाभ यह होता है कि हीमोफीलिया से पीड़ित व्यक्तियों में खून का बहाव कम होता है और जीवन अधिक सुरक्षित बनता है। फिटुसिरान उन मरीजों के लिए भी कारगर सिद्ध हो रही है जिनमें पारंपरिक इलाज बेअसर रहा है या जिनमें इनहिबिटर्स पाए जाते हैं। इसे महीने में एक बार त्वचा के नीचे इंजेक्शन के रूप में दिया जा सकता है, जिससे बार-बार अस्पताल आने की आवश्यकता भी घटती है। इसके अलावा जीन थेरेपी पर भी रिसर्च और क्लिनिकल ट्रायल चल रहे हैं जिससे हीमोफीलिया को पूरी तरह ठीक करने किया जा सके।

एहतियात भी है जरूरी -

इलाज के साथ-साथ रोगियों को कुछ सावधानियां बरतनी भी आवश्यक हैं– दर्द की सामान्य दवाएं बिना डॉक्टर की सलाह के न लें, ये रक्त बहाव बढ़ा सकती हैं। खेलने-कूदने के दौरान विशेष सतर्कता बरतें, जिससे चोट न लगे। मुंह और दांतों की स्वच्छता बनाए रखें, क्योंकि मसूड़ों से ब्लीडिंग होने पर स्थिति बिगड़ सकती है।

राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ बांसवाड़ा के चुनाव हुए सर्व सम्मति से अध्यक्ष एवं महामंत्री की घोषणा की

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ बांसवाड़ा के चुनाव हुए जिसमें चुनाव अधिकारी गणेश लाल पाटीदार जोलाना ने जगमोहन गरासिया को अध्यक्ष एवं बापू लाल कटारा को महामंत्री को सर्व सम्मति से अध्यक्ष एवं महामंत्री की घोषणा की गई। संघ के जिला अध्यक्ष जगमोहन गरासिया को निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के प्रचंड नागर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद जाहिद सहायक प्रशासनिक अधिकारी राकेश पारगी जितेंद्र भोई दशरथ गवरिया हीरालाल निनामा मीनाक्षी वैष्णव ने अभिनंदन किया।

जिला कलक्टर ने ली सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

जिले की सडकों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए कार्य योजना बनाकर उसे अमल में लाए- जिला कलक्टर

मरुधर विशेष

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में बुधवार को मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. शुक्ला ने सडक सुरक्षा से जुडे विभागों की समीक्षा कर कहा कि जीवन अनमोल है। इसलिए सबकी प्राथमिकता जिले की सडकों को दुर्घटना मुक्त बनाने की होनी चाहिए। इसके लिए आपसी समन्वय रखते हुए कार्य योजना बनाकर उसे अमल में लाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि आईरैड पोर्टल की विगत तीन माह की रिपोर्ट का विस्तृत विश्लेषण कर संबंधित विभाग जिले की प्रमुख सडकों के दुर्घटना स्पॉट्स पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कार्य योजना बनाकर उसे अमल में लाएं।

उन्होंने निर्देश दिये कि दुर्घटना स्पॉट्स पर

चेतावनी बोर्ड, साईनेज, ब्लिंकर, स्पीड ब्रेकर, रोड लाइट्स, बैरिकेटिंग, ट्रैफिक लाइट एवं आवश्यकतानुसार सीसीटीवी कैमरे इत्यादि लगाए जाने की कार्यवाही करें। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारी को जिले की सीमा से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर जहां गंभीर दुर्घटना की संभावना अधिक है उन ब्लैक स्पॉट सहित भूगोर तिराहा, बख्तल की चौकी एवं थानागाजी में निर्मित राजमार्ग पर कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएआई एवं यातायात पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिये कि हनुमान चौराहे से बगड़ तिराहे तक रेलिंग की मरम्मत करवाने तथा इसी मार्ग पर ई-रिक्शा इत्यादि में लोकल सवारियों को बैठाने एवं उतारने के लिए सर्विस लेन का ही उपयोग करने के लिए प्रेरित कर पाबंद करें। उन्होंने निर्देशित किया कि दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे के बडोदामेव उतार से बगड़ तिराहा तक के स्ट्रेच का अवलोकन कर रोड लाइटे लगवाएं। उन्होंने एक्सप्रेस-वे पर जिले की सीमा में स्थित टोल पर दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए आवशयक उपायों को स्क्रीन पर डिसप्ले करवाने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता को जिले में ऐसे सड़क निर्माण कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, जिनके सुदृढ़ीकरण व मरम्मत करवाने से सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी आए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि प्रतापगढ़ से अजबगढ़ रोड पर अनावश्यक ब्रेकरों को हटवाए एवं आवश्यक साईनेज लगवाएं। उन्होंने नटनी के बारां से अलवर तक के सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेकर निश्चित समय सीमा में कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देश दिये कि राजमार्गों पर स्थित टोल प्लाजा पर कैम्प आयोजित कर वाहन चालकों की नेत्र जांच करावे। वहीं क्षेत्रीय प्रादेशिक परिवहन अधिकारी से विगत तीन माह में ओवरलोड व रोड सेफ्टी चालन का फीडबैक लिया तथा थानागाजी-प्रतापगढ़ क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

दाँतडा वाला बाबा गौशाला में गोमाता-श्री कृष्ण मंदिर निर्माण का शिलान्यास

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी दाँतडा वाला बाबा गौशाला रामपुर के परिसर में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौशाला कमेटी द्वारा गोमाता और श्री कृष्ण जी के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य का शिलान्यास विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर गौशाला के संचालक योगेश पलसाना ने बताया कि यह मंदिर गौशाला के विकास और आध्यात्मिक वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान गौशाला के संरक्षक गोवर्धन जांगिड ने मंदिर निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी ग्रामवासियों से इस पुण्य कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। सचिव प्रांशु यादव ने निर्माण कार्य की योजना और प्रगति के बारे में जानकारी दी, जबकि कोषाध्यक्ष दीपचंद यादव ने दानदाताओं और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अमित मीणा, सलाहकार योगेश सैनी, जसवंत यादव, प्रवीण यादव, रविकांत यादव, जसराज पलसाना, अशोक यादव, उदल पलसाना, भूप चौधरी, विनोद पुजारी, अमरसिंह यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर मंदिर निर्माण की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। गौशाला कमेटी ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रघुनाथपुरा के ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर के गांव रघुनाथ पूरा के ग्रामीणों ने एसडीएम अनुराग हरित को ज्ञापन सौंपकर यथावत चुला ग्राम पंचायत में रखने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि हमारा रघुनाथपुरा गांव शुरू से ही चुला ग्राम पंचायत में था। अब रघुनाथपुरा गांव को नई प्रस्तावित ग्राम पंचायत गुवाड़ा में जोड़ दिया गया। जिसको दूरी करीब तीन किलोमीटर है। वही चुला ग्राम पंचायत की दूरी डेढ़ किलोमीटर है। जिससे आमजन को दूरी होने से परेशानी का सामना करना पड़ेगा और वोट डालने की मनमानी करते है। पहले भी यहां लड़ाई झगड़ा होता था। जबकि रघुनाथपुरा के ग्रामीण चुला ग्राम पंचायत में रहना चाहते है। जिसको लेकर आज ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर यथावत चुला में रखने की मांग है। इस दौरान राजेश कुमार,सुबेदार शिवलाल,बाबूलाल, लक्ष्मीनारायण,देशराज ,प्रकाश,फूलसिह ,हनुमान ,हवासिह ,रामप्रताप,हरदान सिह ,माम चन्द ,राकेश कुमार,खिललू राम ,लीलाराम , रोहितास सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

देहदान अंगदान संकल्प कार्यक्रम में अतिथियो को महावीर प्रवाह पुस्तक भेटकर सेवा कार्यों की दी जानकारी

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: बांसवाड़ा होटल उत्सव में आयोजित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी में द्वारा आयोजित देहदान, अंगदान संकल्प कार्यक्रम में उपस्थित सोसाइटी के निदेशक डॉ मुनव्वर हुसैन आयकर आयुक्त एसके गुप्ता सीएमएचओ डॉक्टर खुशपाल सिंह पीएमओ डॉक्टर दिनेश माहेश्वरी पूर्व सभापति जैनेंद्र त्रिवेदी कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सराफ राहुल सराफ एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी महावीर इंटरनेशनल डूंगरपुर के देहदान करने वाले वीर हर्षवर्धन जैन कवि उत्सव गांधी दीपक जैन डूंगरपुर द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों को दुपट्टा उड़ा कर महावीर इंटरनेशनल अपेक्स कार्यालय से प्राप्त महावीर प्रवाह पुस्तक भेटकर महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों की जानकारी दी एवं महावीर इंटरनेशनल की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली जयपुर शहर में मनाने की जानकारी दी इस अवसर पर डॉक्टर मुनव्वर ने महावीर इंटरनेशनल के कार्यों की सहाना की कार्यक्रम का संचालन डीआर वनिता गुप्ता ने किया।

महावीर इंटरनेशनल व जीव दया परिवार के सहयोग से भेजी जा रही है घास गौशाला में

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: महावीर इंटरनेशनल शाखा नोगामा एवं जीव दया परिवार नौगामा के सहयोग से मोगला नगर एवं आसपास के गांव से मक्का एवं गेहूं की घास किसानों से प्राप्त कर दयोदय गौशाला बागीदौरा को भेजी जा रही है इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष आसपास के गांव से जिन-जिन की किसानों के पास अपनी घास दान करनी है उन्हें इकट्ठी कर गौशाला में भेजी जा रही है एवं इस भीषण गर्मी को देखते हुए चिन्हित स्थानों पर पशुओं के पानी पीने के लिए पानी की टंकियां रखवाई जा रही है एवं एवं प्यासे पक्षियों को पानी के लिए आसपास के गांव में परिंडे वितरण का कार्यक्रम किया जा रहा है एवं सभी ग्रामीणों से निवेदन किया जा रहा है कि अपने घरों के बाहर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें एवं जो किसान अपनी घास गौशाला में देना चाहते हैं शाखा को सूचित करें इस अवसर पर जीव दया परिवार अध्यक्ष आशीष पंचोरी शाखा की वीर सदस्य सचिव कैलाश पंचोरी दिनेश चरपोटा सुरेशचंद्र व्यास ताजेगपाटीदार ग्रामीण गणेश बुनकर मादुजी बुनकर आदि उपस्थित थे

कांग्रेस कमेटी ब्लॉक कुशलगढ़ में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कोटड़ा,टिमेडा तथा रामगढ़ मंडल की मंडल वार बैठक का आयोजन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: आज़ दिनांक 16 04 2025 को कांग्रेस कमेटी ब्लॉक कुशलगढ़ में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कोटड़ा मंडल, टिमेडा मंडल तथा रामगढ़ मंडल की मडलवार बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें कुशलगढ़ विधायक रमिला खड़िया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य हसमुख सेठ, ब्लॉक अध्यक्ष रजनीकांत खाब्या,प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र पर्यवेक्षक रमेश जी मीणा की उपस्थित में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक रमिला खड़िया ने कहा कि पार्टी संगठन को वार्ड बूथ मंडल और ब्लॉक स्तर पर मजबूत करना होगा। क्योंकि आगामी पंचायती राज चुनाव को देखते हुए हमें वार्ड स्तर पर सक्रिय होने की आवश्यकता है आज संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की आवश्यकता है जिससे बुथ मंडल की कार्यकरणों का विस्तार करना और सक्रिय कार्यकर्ताओं को दायित्व देना आवश्यक होगा नय यूथ को जोड़ते हुए उन्हें दायित्व पार्टी स्तर पर देने की नसीहत दी ताकि आने वाले पंचायती राज चुनाव में हम कांग्रेस पार्टी को मजबूत बना सके तथा भाजपा सरकार की विफलताओं को आम जन तक कार्यकर्ता पहुंचाएं क्योंकि भाजपा सरकार के द्वारा नरेगा मजदुरो की दिहाड़ी समय पर नहीं देना, साथ ही आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में छात्रवृत्ति का भूगतान दो वर्ष से नहीं होना, बढ़ती मंहगाई,बैरोजगारी से जनता त्रस्त हो रही है । देश में धर्म और जाति के नाम पर उन्माद पैदा करने का काम भाजपा के द्वारा किया जा रहा है बैठक को ब्लॉक अध्यक्ष रजनीकांत खाब्या विजय सिंह खड़िया कैलाश पटेल विजयभाई मईडा सरपंच रूपहीग कटारा छगन खड़िया भीमाभाई मकनाभाई किशोर जी भुरजी मईडा मोहन भाई मांगीलाल भीमा मईडा जानू सिंघाड़ा जनपद नारियाभाई मुकेश डोडियार मानसिंह देवदा पप्पू गरासिया मोगजी भाई राजेश जी सरपंच राकेश कालुसिंह बादर मिठालाल हुरमल आदि ने संबोधित किया तथा ब्लॉक उपाध्यक्ष लक्ष्मण दामा ने बैठक का संचालन किया। ये जानकारी विजयसिंह मईडा ने दी।

राजस्थान पुलिस दिवस को लेकर रिज़र्व पुलिस लाइन में हुआ कार्यक्रम

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: राजस्थान पुलिस दिवस को लेकर रिज़र्व पुलिस लाइन में हुआ कार्यक्रम का आयोजन।पुलिस लाइन में परेड हुई आयोजित की गई । पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, ए एसपी राजेश भारद्वाज, समस्त डीएसपी व थानाधिकारी रहे मौजूद। उत्कृष्ट कार्य करने वाले 70 पुलिस जवानों को पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित। रक्तदान शिविर का भी हुआ आयोजन। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने भी किया रक्तदान। जिसके बाद पौधारोपण का भी हुआ आयोजन। पुलिस अधीक्षक ने राजस्थान पुलिस दिवस पर सभी को दी शुभकामनाएं, आज दिन भर होंगे विभिन्न आयोजन, जिले में 4 दिन तक पुलिस आयोजित कर रही विभिन्न आयोजन।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र कामां के चार मंडलों की बैठक की गई आयोजित

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान कामां - विधानसभा क्षेत्र कामां के अंतर्गत ओलंदा मंडल, गांवडी मंडल, गोपालगढ़ मंडल, और पहाड़ी मंडल की अलग-अलग स्थानों पर बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता विधानसभा कामां के संगठन प्रभारी श्री गब्बर मीना, सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी जयपुर ने की तथा बैठकों में मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान व पीसीसी सदस्य श्री जलीश खान रहे। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र कामां के प्रभारी गब्बर सिंह मीणा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार प्रत्येक मंडल की बैठक रखी जा रही है। इसी के मध्य नजर विधानसभा क्षेत्र कामां के चार मंडलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़ी गर्मजोशी के साथ पूर्ण भागीदारी निभाई जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं का उन्होंने तहे दिल से धन्यवाद किया और कहा कि कांग्रेस संगठन में अमूल चूक बदलाव किए जा रहे हैं और सक्रिय व कर्मठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पद देकर पार्टी में आगे बढ़ाया जाएगा और उनकी पहचान प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी। इस अवसर पर पूर्व प्रधान जलीस खान ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के प्रति निष्ठापूर्वक व ईमानदारी से काम करें तथा अब कांग्रेस में जो धरातल पर काम करेगा उसी को पार्टी आगे बढ़ने का मौका प्रदान करेगी। इस अवसर पर कामां कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष फज्जर खान, पहाड़ी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, गोपालगढ़ मंडल अध्यक्ष दीना, ओलंदा मंडल अध्यक्ष आजाद, गांवड़ी मंडल अध्यक्ष चौधरी देशराज सिंह, पहाड़ी मंडल अध्यक्ष मोहसिन, सहित ब्लॉक कार्यकारिणी पहाड़ी व ब्लाक कार्यकारिणी कामां के समस्त सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने नगर विधानसभा क्षेत्र के शीशवाड़ा गांव का दौरा किया

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, । गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म बुधवार को अलवर, डीग और भरतपुर जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। गृह राज्य मंत्री विधानसभा क्षेत्र नगर के ग्राम शीशवाड़ा पहुंचे जहां उन्होंने स्थानीय कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पूर्व श्री बेढ़म का शीशवाड़ा के लोगों ने गांव में आने पर उनका भव्य स्वागत कर, उत्साह प्रकट किया। श्री बेढ़म ने पीरकी मंदिर स्थित सभा स्थल में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह प्रमुख मंशा है कि भ्रष्टाचार को पूर्ण रूप से रोक दिया जाए। इसके लिए उन्होंने बताया कि विधायक निधि से निकलने वाला एक-एक रुपया प्रत्येक ग्राम पंचायत तक पहुंचे ऐसे पुख्ता प्रबंध किए गए है। उन्होंने बताया कि सभी बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से किया जाए, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति और पाइपलाइन संबंधी कार्य गुणवत्तापूर्ण हो और आम लोगों तक सरकार द्वारा दिया जा रहा पूरा लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। नए जीएसएस बनने से, सड़क निर्माण, शहरी ट्रांसपोर्ट सेवाओं जैसे लाभ आमजन को देकर आम लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के कार्य राज्य सरकार द्वारा किए गए।

उन्होंने जल शक्ति अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन तथा नरेगा कार्यों में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने की बात कही। जिले की मौसमी बीमारियों के सम्बन्ध में अस्पतालों में दवाइयां की उपलब्धता की सुनिश्चित करने के साथ ही उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए रोड मैप तैयार किया गया है। प्रत्येक विभागीय अधिकारी को गंभीरतापूर्वक कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है। जिला और संबंधित विभाग स्तर पर पेयजल, विद्युत जैसी आधारभूत सुविधाओं की नियमित समीक्षा की जाकर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मानखेड़ा के ग्राम वासियों ने नगर पालिका परिसीमन के विरोध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। मानखेडा के ग्राम वासियों ने बुधवार को कांग्रेस महिला नेत्री नीमा चौधरी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला व एडीएम बीना महावर को नगर पालिका कठूमर के वार्डो का परिसीमन गलत तरीके से किये जाने पर आपत्ति दर्ज कराते हुए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा भी मौजूद थे। ज्ञापन में बताया कि ग्राम मानखेडा पहले ग्राम पंचायत ईसरोता में शामिल था। जो कि ग्राम पंचायत ने ग्राम मानखेडा की 32 बीघा जमीन कठू?मर के सरकारी दफ्तरो, बालिका कालेज तथा अन्य विभागों को दे दी गयी है। लेकिन अब मानखेडा के ग्राम वासियों के साथ नगर पालिका कठूमर के वार्डो के परिसीमन में सौतेला व्यवहार किया जा रहा है, ग्राम मानखेडा की वोटर संख्या करीब नौ सौ है।लेकिन इसमें लेकिन कठूमर कस्बे के कुछ मतदाताओ? को जोड़कर दो वार्ड बनाए जा रहे हैं। जोकि मानखेडा निवासियों के साथ अन्याय है। और यदि इसमे कठू?मर के वोट जोडने हो तो मानखेड़ा के वार्ड न 1 व 2 में बराबर-बराबर वोट रखने की मांग की है। ग्राम वासियों ने आरोप लगाया कि राजनैतिक दबाव में अगर गलत किया गया तो ग्रामवासी वोट का बहिष्कार करेंगे एवं धरना प्रर्दशन के लिए मजबूर होंगे। इस मौके पर मेघश्याम, हेतराम, मोहन नेता मोहन मेंबर, भूपत सिंह, शिवराम जाटव, मोहन जाटव बनवारी जाटव, कमल जाटव, दयाचंद जाटव, सिब्बा जाटव, बने सिंह जाटव, लोंगा जाटव, पदमा जाटव, आशा जाटव, सीमा जाटव, मंटो जाटव, भटला प्रेमवती, मंजू, सुनील देशराज मौजूद थे।

अक्टूबर में आयोजित होने वाली परम पूज्य जगद्गुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी के मुखारविंद से रामकथा पत्रिका का विमोचन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ा: आज बड़ा रामद्वारा में आगामी अक्टूबर में आयोजित होने वाली परम पूज्य जगद्गुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी के मुखारविंद से रामकथा आयोजित होने जा रही है जिनके पत्रिका का विमोचन किया गया एक पूर्व बैठक रखी गई जिसमें बडा राम द्वारा के संत श्री रामप्रकाश जी महाराज जी और राष्ट्र स्वयं सेवक संघ के विभाग प्रचारक श्री विकास राज के निर्देश अनुसार कार्य का विभाजन किया गया और रूपरेखा तैयार की गयी आगामी भव्य बैठक 27 अप्रैल रविवार दोपहर 3 बजे पाटीदार छात्रावास दाहोद रोड़ पर तय किया गया जिसमें सहकार भारती के प्रदेश सह प्रमुख जयंत द्विवेदी विद्या भारती के जिला अध्यक्ष रमेश बृजवासी धनसिंह रावत नागेन्द्र दोसी धनंजय पाठक राघव समिति के संयोजक अखिल भट्ट योगिता भट्ट कोषाध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार दक हंसमुख सोनी कमल सोनी कमलेश तंबोलिया भाजपा जिलाध्यक्ष पूंजीलाल गायरी दुर्गा वाहिनी जिला संयोजक साक्षी दक मातृ जिला संयोजक जयश्री सोनी कुसुम जोशी अनिता सोनी भुदेव भट्ट संजय कलाल एडवोकेट मनोज सिंह चौहान मांगीलाल जी वाल्मीकि शिक्षक संघ से दिलीप पाठक विमल चौबीसा युगल उपाध्याय चंकी शाह गौरव राव जितेन्द्र वैष्णव पवन भावसार आदि उपस्थित रहे यह सुचना राघव सेवा समिति के मिडिया प्रमुख सतिश आचार्य एवं शीतल भंडारी ने दी

सर्वांगीण विकास में कोई कमी नहीं छोड़ेगें, प्राथमिकता से होगें आम जनता के कार्य :- पटेल

02 करोड़ 28 लाख की लागत से बनने वाली 9.12 किमी लम्बी सड़कों का हुआ शिलान्यास

मरुधर विशेष

कोटपूतली, विधायक हंसराज पटेल ने क्षेत्र में लगभग 02 करोड़ 28 लाख रूपयों की लागत से बनने वाली 9.12 किमी लम्बी 02 सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। पटेल ने ग्राम बसई से कोटपूतली तक 01 करोड़ 25 लाख रूपयों की लागत से बनाई जा रही 05 किमी लम्बी सड़क के निर्माण कार्य का पट्टीका का लोकार्पण कर शिलान्यास किया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पटेल ने कहा कि क्षेत्र में नवीन सड़कों का निर्माण कार्य निरन्तर जारी है। यहाँ के सर्वांगीण विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जायेगी। जनता की मुलभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यो को प्राथमिकता से करने का प्रयास करेगें। अध्यक्षता सरपंच कविता मीणा ने की। वहीं सरपंच प्रतिनिधि सत्यवीर मीणा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष राजवीर यादव, एड. कमल कसाना, हव. कमलेश छावड़ी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, बी एल मीणा समेत अन्य मौजूद रहे। इसी प्रकार विधायक पटेल ने चतुर्भुज से टापरी तक 01 करोड़ 03 लाख रूपयों की लागत से बनाई जा रही 4.12 किमी लम्बी सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। पटेल ने कहा कि सड़कों का निर्माण क्षेत्र की निरन्तर प्रगति में सहायक सिद्ध होगा। इस दौरान नगर मंडल अध्यक्ष अरूण सैनी, भाजपा नेता जयराम सिंह गुर्जर, ओमी कांवर, रामकुमार कसाना समेत अन्य मौजूद रहे। विधायक पटेल का ग्रामीणों ने जगह-जगह माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

जिले में संचालित पैथलैब का रजिस्ट्रेशन करवाना होगा अनिवार्य : डॉ. अरविंद गेट

मरुधर विशेष

विजय सिंह/मोहम्मद शकील खैरथल । खैरथल - तिजारा जिले में बिना रजिस्ट्रेशन के चल रही पैथ लैबों का अब रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य हो गया है। बिना रजिस्ट्रेशन के पैथ लैब चलाने वालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। खैरथल - तिजारा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने जिले में संचालित समस्त पैथलैब संचालकों को निर्देशित किया है कि अनाधिकृत रूप से लैब संचालित करना अवैध है। अत: अपने पैथलैब का रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। पैथलैब का रजिस्ट्रेशन करवाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते। जिलेभर में संचालित पैथलैब के संचालकों को नोटिस देकर रजिस्ट्रेशन की जानकारी अवगत करा दी गई है। इसके बाद भी यदि बिना रजिस्ट्रेशन के पैथलैब संचालित की जाती है तो चिकित्सा विभाग के द्वारा सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सीएमएचओ डॉ.अरविंद गेट ने बताया कि इस संबंध में समस्त बीसीएमएचओ को जानकारी अवगत करा दी गई है और गाइडलाइन भी जारी कर दी गई है।

गौवंश के अवैध परिवहन और तस्करी का मामले में लगातार बढ़ता विरोध

जिला कलेक्टर को साधु संतो और गौ सेवको नें दिया ज्ञापन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: गौवंश के अवैध परिवहन और तस्करी का मामले में लगातार बढ़ता विरोध, आज बांसवाड़ा शहर में गौ सेवकों और जनता नें किया विरोध प्रदर्शन, शहर के कुशलबाग मैदान में बड़ी संख्या में जुड़े कार्यकर्ता, मैदान से निकाली विरोध रैली, रैली के रूप में सभी पहुंचे कलेक्ट्री, जिला कलेक्टर को साधु संतो और गौ सेवको नें दिया ज्ञापन, गौवंश की अवैध परिवहन और तस्करी को रोकने का दिया ज्ञापन

नवसर्जित ग्राम पंचायत रीझवास का मुख्यालय निठारी बनाने की मांग

निठारी के ग्रामीणों ने एसडीएम कठूमर को सौंपा ज्ञापन

मरुधर विशेष । दिनेश लेखी

कठूमर। ग्राम निठारी के वाशिंदों ने नवसर्जित ग्राम पंचायत का मुख्यालय अपने गांव निठारी में करने की मांग की है। ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत जहाडू के ग्राम रीझवास अलग कर रीझंवास , निठारी, संतोकपुर, को सम्मिलित करते हुए नवीन ग्राम पंचायत रीझवास का गठन किया गया है जो पंचायत समिति का दौसा जिले की सीमा से? लगता अंतिम गांव है। जिसे मुख्यालय बनाना न्यायोचित नहीं है। दूसरी ओर जनसंख्या में भी निठारी गांव बड़ा है।रीझवास जाने? के लिए आने जाने के साधन नहीं है। जबकि निठारी गांव हर तरीके से विकसित है और प्रसिद्ध कांडा मंदिर भी यहां मौजूद है।

Marudharhind24 news Private Limited के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वेष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित, एवं जीवन सिंह पुरा शामदा अलवर से प्रकाशित। मो. 9653906665, 7014373732